नेशनल पी0जी0 कालेज, लखनऊ

(लखनऊ विश्वविद्यालय का स्वायत्तशासी कॉलेज)
'नैक' द्वारा 'ए' ग्रेड से मूल्यांकित महाविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट – सत्र 2020–21

इतिहास : नेशनल पी. जी. कालेज, लखनऊ की स्थापना सन् 1974 ई0 में तत्कालीन उत्तर प्रदेश के चार बार मुख्यमंत्री रह चुके लौह पुरूष स्व0 श्री चन्द्र भानु गुप्त द्वारा बी0कॉम0 की कक्षाओं से हुई। सन् 1979 में बी0ए0 की कक्षाओं की मान्यता प्राप्त हुई। सन् 1991 ई0 में प्रोफेसर डॉ0 एस0पी0 सिंह ने प्राचार्य का कार्य भार ग्रहण किया। उनके निर्देशन में महाविद्यालय अत्यन्त तीव्रता के साथ विकास पथ पर अग्रसर हुआ।

विकास के दृष्टिकोण से शैक्षिक सत्र 2009–10 महाविद्यालय के इतिहास में मील का पत्थर है, क्योंकि इसी वर्ष से नेषनल पी0जी0 कालेज को स्वायत्तशासी महाविद्यालय का स्तर प्राप्त हुआ है। वर्तमान समय में नेशनल कालेज लखनऊ विष्वविद्यालय का पहला स्वायत्तषासी पोस्ट ग्रेजुएट कालेज है तथा उत्तर प्रदेष का ऐसा पहला महाविद्यालय है जिसमें स्नातक एवं स्नात्कोत्तर दोनों ही स्तरों पर सेमेस्टर प्रणाली लागू की गई है। सत्र 2013–14 में 'नैक' द्वारा महाविद्यालय 'ए' श्रेणी से मूल्यांकित किया गया है एवं महाविद्यालय को शैक्षणिक गुणवत्ता में भारत के श्रेष्ठतम् महाविद्यालयों में अग्रणी स्थान पर रखा गया है।

महाविद्यालय में बी0ए0, बी0कॉम0, बी0बी0ए0, बी0बी0ए0 (एम0एस0), बी0कॉम0 ऑनर्स, बी0एस0सी0, बी0सी0ए0, एम0कॉम0 तथा मनोविज्ञान, भूगोल एवं मानवशास्त्र विषयों में एम0ए0, बी0वॉक0, एम0वॉक0, कम्यूनिटी कोर्सेज तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा कार्यक्रमों के अध्ययन की व्यवस्था है।

छात्र–छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु 'सेवेन स्टेप स्टूडेन्ट सपोर्ट कार्यक्रम' लागू है। जिसके अन्तर्गत छात्र–छात्राएं सात स्तरों पर अपनी प्रतिभा का विकास कर सकते है।

गतिविधियाँ

(क) शैक्षिक – स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश हेतु महाविद्यालय के सभी संकायों की प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती रही है एवं छात्र–छात्राओं के विषय चुनाव एवं सत्रीय

कार्यक्रम से अवगत कराने हेतु एक प्री–एडमीषन काउन्सिलिंग एवं प्रवेश उपरान्त ओरिएन्टेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

इस सत्र में 02 जुलाई 2020 को कला संकाय, 06 जुलाई 2020 को वाणिज्य संकाय, 09 जुलाई 2020 को विज्ञान संकाय तथा 16 जुलाई 2020 को प्रबन्धन संकाय का ऑन लाइन ओरिएन्टेषन कार्यक्रम आयोजित हुआ। 19 जुलाई 2020 को महाविद्यालय स्थित इग्नू अध्ययन केन्द्र के मोटिवेशन ड्राइव एवं फीडबैक कार्यक्रम का आनलाइन आयोजन हुआ।

समुचित अध्ययन अध्यापन के साथ छात्र–छात्राओं एवं षिक्षकों के ज्ञानवर्द्धन एवं शैक्षिक उत्कृष्टता को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय द्वारा समय–समय पर अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

15 अगस्त 2020 को महाविद्यालय के तत्कालीन प्रबंधक श्री वीरेन्द्र चौबे द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ0 नीरजा सिंह, समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उपस्थित रहे। 5 सितम्बर 2020 को महाविद्यालय में 'शिक्षक दिवस समारोह' कोरोना के नियमों को ध्यान में रखते हुए आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या ने महाविद्यालय के शिक्षकों को सम्मानित किया। शिक्षकों द्वारा प्राचार्या का सम्मान किया गया।

2 अक्टूबर 2020 को महात्मा गाँधी की जयन्ती पर 'महात्मा गांधी एवं विजन ऑफ न्यू सोसायटी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा आई0सी0टी0 टूल्स एण्ड सॉफ्टवेयर फॉर टीचिंग एण्ड लर्निंग विषय पर 'कार्यशाला' का आयोजन किया गया। 23 जून 2021 को 'योग दिवस' के उपलक्ष में 'ऑनलाइन योग सत्र' का आयोजन किया गया।

20 दिसम्बर 2020 को 'आग बुझाने के प्रभावी नियंत्रण पर व्याख्यान हुआ एवं सीज फायर कम्पनी द्वारा फैकल्टी, तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को आग बुझाने की ट्रेंनिग दी गई।

शासन के निर्देशों के अनुरूप नवम्बर एवं दिसम्बर 2020 में सेमेस्टर परीक्षाओं का अत्यन्त पवित्रतापूर्ण ढंग से आयोजन किया गया एवं 5 जनवरी 2021 तक समस्त परीक्षा परिणाम घोषित कर दिये गये। परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

26 जनवरी 2021 को गणतंत्र दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसमें महाविद्यालय के प्रबन्धक, प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक सम्मिलित हुए।

मार्च 2021 में ही "ओज–2021" के अन्तर्गत अन्तर्संकाय सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।

28 मई 2020 को हिन्दी विभाग द्वारा 'वर्तमान वैश्विक महामारी के परिप्रेक्ष्य में साहित्य की भूमिका' विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इसके मुख्य वक्ता ल0 वि0 वि0 हिन्दी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो0 सूर्यप्रसाद दीक्षित थे।

22 जून 2021 को हिन्दी विभाग द्वारा 'भारतीय संस्कृति :अध्यात्म एवं योग विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इसके मुख्य वक्ता ल0वि0वि0 योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विज्ञान विभाग के प्रो0 अमरजीत यादव थे।

07 जनवरी 2021 से 12 जनवरी 2021 तक महाविद्यालय में युवा सप्ताह 'समर्थ युवा पर्व' का आयोजन किया गया, जिनमें विभिन्न दिवसों में सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, योगाभ्यास, अन्तर्महाविद्यालयी पोस्टर प्रतियोगिता एवं राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसके मुख्य अतिथि इलाहाबाद, उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति माननीय श्री ए0आर0 मसूदी थे

भूगोल विभाग द्वारा विभिन्न संगोष्ठियों, कार्यशालाओं एवं व्याख्यानों सहित 15 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास केन्द्र द्वारा 'Information Security Threats & Counter Measures' कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसी केन्द्र द्वारा 'Software Hub a Creating Fest' पर भी एक कार्यशाला का आयोजन हुआ।

महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द के जीवन दर्षन पर दिनांक 11 जनवरी 2021 को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया एवं दिनांक 7 सितम्बर 2020 को स्वामी विवेकानन्द जी के शिकागो भाषण पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

वनस्पति विभाग द्वारा 5 जून 2021 को 'पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य' विषय पर एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन कियाा गया। इसके मुख्य वक्ता एन0बी0आर0आई0 के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ0 संजीव कुमार ओझा थे।

छात्र–छात्राओं द्वारा दिनांक 1 अक्टूबर 2020 को महाविद्यालय में निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें महाविद्यालय के लगभग बीस छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

महाविद्यालय में ''मिशन शक्ति'' के अन्तर्गत लगभग 20 वेबीनारों का आयोजन किया गया तथा नारी शक्ति को केन्द्र में रखकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

सत्र 2020–21 में ''नई शिक्षा नीति–2020'' पर लगभग 5 राष्ट्रीय वेबीनार आयोजित किये गये। शैक्षिक सत्र 2021–22 से महाविद्यालय में नई शिक्षा नीति 2020 के तहत पाठ्यक्रम का निर्धारण किया जा रहा है।

वर्तमान शैक्षिक सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 नीरजा सिंह की 'ग्रोफोलोजी–सेकेट ऑफ योर सेल्फ' विषयक पुस्तक प्रकाशित हुई। इस पुस्तक का प्रकाशन अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशक Larsen and Keller Newyork द्वारा किया गया। महाविद्यालय के हिन्दी शिक्षक डॉ0 रामकृष्ण की 'सूरदास की कविता' 'अथातो भक्ति जिज्ञासा अवधी लोकोक्तियॉ एवं पर्यावरण' तथा 'आदर्श गृहस्थ जीवन' विषयक चार पुस्तकें प्रकाषित हुई। भूगोल विभाग की शिक्षिका डॉ0 ऋतु जैन की 'पर्यावरण भूगोल' एवं गणित विभाग के श्री बी0पी0 सिंह की पुस्तक 'टेक्सट बुक ऑफ मैट्रिक्स एण्ड डिफेन्सियल इक्वेशन्र्स एवं एन्टेक्स बुक ऑफ डिफरेन्सियल जामेटरी एण्ड टेन्सार्स नामक दो पुस्तकें प्रकाशित हुई एवं डिपार्टमेन्ट ऑफ सॉफ्टवेयर एण्ड ई–गवर्नेंस के शिक्षक डॉ0 विनय यादव की Introduction and concept of E-governance विषयक पुस्तक प्रकाषित हुई।

संक्षेप में उपलब्धियां

1. सत्र 2020–21 में महाविद्यालय में कुल 28 संगोष्ठियाँ एवं 12 कार्यशालाएँ आयोजित की गई, जिनमें 26 राष्ट्रीय एवं 10 अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की थीं।
2. महाविद्यालय में विष्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा गाँधी, नेहरू एवं अम्बेडकर अध्ययन केन्द्रों का संचालन हो रहा है। इन केन्द्रों के तत्वावधान में प्रति वर्ष राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया जात है।

3. प्लेसमेन्ट हेतु महाविद्यालय में टी0सी0एस0, एच0सी0एल0, जोमेटो, विप्रो साउथ इण्डियन बैंक, सहित 17 कम्पनियाँ आयी एवं 47 छात्र–छात्राओं को प्लेसमेन्ट प्राप्त हुआ।

4. विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में महाविद्यालय के लगभग 70 शिक्षकों ने सहभागिता की और अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये।

5. सत्र 2020–21 में महाविद्यालय के षिक्षकों द्वारा लिखित 15 पुस्तकें प्रकाषित हुई तथा लगभग 103 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में प्रकाषित हुए।

6. अधिकांष षिक्षकों के लगभग तीन शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाषित हुए।

8. विगत वर्ष नवम्बर 2020 में महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो0 एस0 पी0 सिंह ने ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, बिहार के कुलपति पद को सुशोभित किया। यह महाविद्यालय के लिए अत्यन्त गौरव का विषय है। वर्ष 2016 में मानव शास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ0 नीरजा सिंह ने कॉलेज के प्राचार्य पद को सुशोभित किया। उनके नेतृत्व में महाविद्यालय तीव्रगति से विकास की अभिनव अवधारणाओं को प्राप्त कर रहा है।

9. सत्र 2005 से महाविद्यालय में विज्ञान संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ हुई और आज महाविद्यालय का विज्ञान संकाय आधुनिकतम प्रयोगशालाओं से सुसज्जित श्रेष्ठतम् संकाय है।

10. सत्र 2002–03 से महाविद्यालय में प्रबन्ध संकाय की कक्षाएं प्रारम्भ हुई एवं आज प्रबन्ध संकाय का शैक्षिक गुणवत्ता में श्रेष्ठ स्थान है।

11. 'इंडिया टुडे' राष्ट्रीय पत्रिका द्वारा जून, 2020 के अंक में निर्धारित देश के श्रेष्ठतम् 50 महाविद्यालयों में नेशनल पी0जी0 कालेज, लखनऊ को प्रथम स्थान पर रखा गया है। इससे महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता स्वतः सिद्ध होती है। निरन्तर सात वर्षों से कॉलेज को स्थान प्राप्त हो रहा है।

12. सत्र 2020–21 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव, अनुसचिव एवं आयोग द्वारा नामित अनेक ख्याति प्राप्त आचार्यों ने महाविद्यालय का भ्रमण किया।

13. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा कालेज को वर्चुअल क्लासेज, रेमेडियल क्लासेज एवं कम्पटेटिव क्लासेज तथा नेट परीक्षा की कक्षाओं की अनुमति प्रदान की गई।

14. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा महाविद्यालय को इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन एवं परामर्श केन्द्र बनाया गया है।

15. महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्तपोषित 5 लघु शोध परियोजनाओं पर शोध कार्य किया जा रहा है।

16. मूल्यांकन पूर्ण पारदर्शी ढंग से संपादित किया जाता है तथा टॉपर विद्यार्थी की कापी अवलोकनार्थ पुस्तकालय में रखी जाती है।

17. महाविद्यालय के एन0एस0एस0 एवं स्काउट गाइड इकाइयों के छात्र–छात्राओं द्वारा रक्तदान तथा अन्य समाजोपयोगी कार्य किये जाते हैं।

18. महाविद्यालय में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय एवं उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय का अध्ययन केन्द्र भी सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

19. महाविद्यालय के पुस्तकालय को पूर्णतः डिजिटल बना दिया गया है। एक क्लिक करते ही छात्र–छात्राओं को मनचाही पुस्तक प्राप्त कर सकते हैं।

20. सम्पूर्ण परिसर वाई–फाई से युक्त है।

21. सम्पूर्ण परिसर में सुरक्षा की दृष्टि से क्लोज सर्किट कैमरे लगाये गये हैं।

वर्तमान सत्र से लागू होने वाली प्रभावी योजनाएं–

1. महाविद्यालय में 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम एवं ग्रेडिंग प्रणाली' लागू की जा चुकी है।

2. महाविद्यालय की सेशनल परीक्षा को एकीकृत करके ऑनलाइन किये जाने की संकल्पना कार्य रूप में परिणत की जा रही है।

3. विभिन्न विभागों द्वारा लगभग एक दर्जन डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स लागू किये गये हैं।

4. 2020–21 सत्र में अंग्रेजी विषय में स्नातकोत्तर कक्षाएँ प्रारम्भ हुई।

5. सत्र 2020–21 में सम्पूर्ण लाइब्रेरी का डिजिटलाइजेशन कर दिया गया है। एक बटन दबाते ही छात्र–छात्राओं द्वारा उपयुक्त पुस्तक प्राप्त की जा सकती है।

भावी योजनाएँ –

राजनीतिशास्त्र एवं अर्थशास्त्र विषय में स्नातकोत्तर सर्टिफिकेट कोर्स इन जर्मन, फ्रेन्च एवं इंग्लिश कम्यूनिकेशन, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन जर्नलिज्म एण्ड मॉस कम्युनिकेशन सत्र 2021–22 से प्रस्तावित है।

प्रबन्ध तंत्र की अनुमति के साथ बी0एड0 की कक्षाओं के संचालन पर विचार हो रहा है तथा चन्द्र भानु गुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज की स्थापना भी विचारणीय है। इसी प्रकार महाविद्यालय के क्रीड़ा मैदान को भी विशाल स्टेडियम का रूप देने की योजना है। कैम्पस के विस्तारीकरण की योजना भी विचारणीय है।

वर्तमान समय में महाविद्यालय निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है।

धन्यवाद।

डॉ0 राम कृष्ण

अध्यक्ष, हिन्दी विभाग

नेशनल पी0जी0 कालेज